मुख्य बातें

1. भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैकों की मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां खंड 38, 31 मार्च 2009 की स्थिती के अनुसार मू.सां.वि. 1 और 2 सर्वेक्षणों के जरिए संकलित किए गए आंकडों पर आधारित हैं। इसमें क्षेत्रिय ग्रामीण बैंकों और अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के 81,802 कार्यालय शामिल किये गए हैं। ये विवरणियां भारत के अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की प्रत्येक शाखा/कार्यालय से प्राप्त की गई हैं । इसकी मुख्य विशेषताएं यहां दी जा रही हैं।

अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का बकाया ऋण

2. कुल बकाया ऋण में वृध्दि

- मार्च 2009 की स्थिति के अनुसार अनुसूचित वाणिज्य बैंको का कुल बकाया ऋण 28,47,713 करोड रु. था। यह वृध्दि 17.8 प्रतिशत की है जबकि पिछले वर्ष इसमें 24.1 प्रतिशत की वृध्दि हुई थी। (सारणी सं.1.3)
- उधार खातों की संख्या वर्ष 2008 के 10.7 करोड़ से 2.9 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2009 में 11.0 करोड़ हो गई है। (सारणी सं. 1.3)

चार्ट 1 : अनुसूचित वाणिज्य बैंको का बकाया ऋण
1991 से 2009 तक

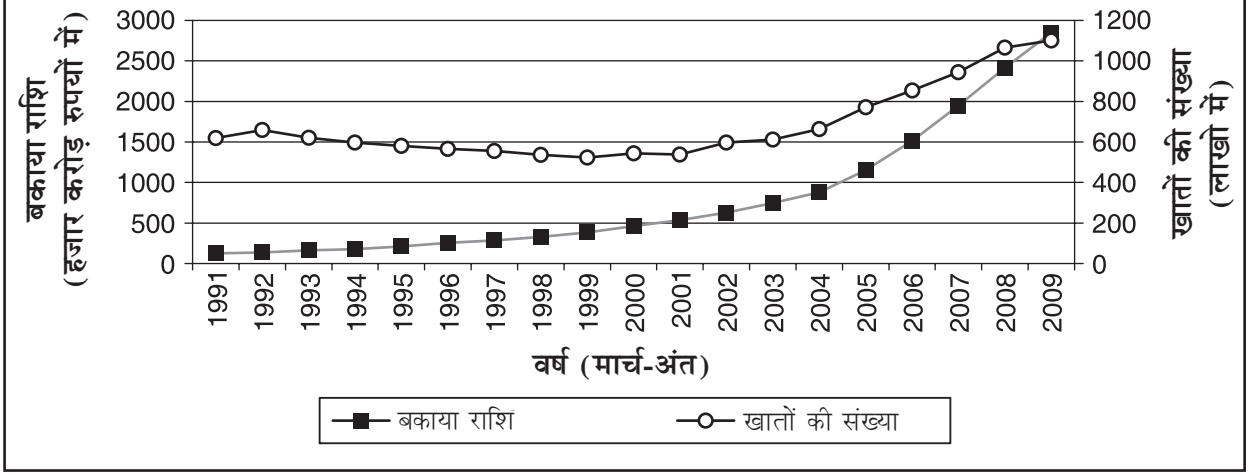

3. बैंक समूहवार ऋण का वितरण

- कुल बैंक ऋण में सार्वजनिक क्षेत्र के बेंकों का आधे से ज्यादा हिस्सा रहा है। इसमें 2008 के 48.8 प्रतिशत से 2009 में 50.0 प्रतिशत तक वृध्दि हुई है। निजी क्षेत्रिय बेंकों का हिस्सा 2009 में 18.2 प्रतिशत रहा। विदेशी बेंकों का हिस्सा इस साल कम होकर 5.9 प्रतिशत रहा जो कि पिछले वर्ष 6.7 प्रतिशत था। (सारणी सं. 1.4)
- राष्ट्रीयकृत बैकों ने वर्ष 2009 में 21.8 प्रतिशत की उच्चतम ऋण वृध्दि दिखाई है। स्टेट बैंक और उसके सहयोगी बैकों ने और निजी क्षेत्रिय बैंकों ने वर्ष 2009 में प्रत्येकी 21.2 और 9.1 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज की है। वर्ष 2009 में विदेशी बैंकों ने 4.0 प्रतिशत तथा क्षेत्रिय ग्रामीण बैंको ने 15.4 प्रतिशत की ऋण वृध्दि दिखाई है।
- 2009 मे वृध्दिशील ऋण में स्टेट बैंक और उसके सहयोगी बैंकों, राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा निजी क्षेत्रिय बैंको का हिस्सा क्रमश: 26.7, 59.7 और 10.0 प्रतिशत रहा है।

4. बैंक ऋण का क्षेत्रवार (व्यवसाय के अनुसार) उपयोग

- कुल बैंक ऋण में कृषि क्षेत्र के हिस्से में 2008 के 11.3 प्रतिशत की तुलना में 10.9 प्रतिशत की थोडीसी गिरावट हुई है। उद्योग ऋण का हिस्सा 2009 में बढकर 39.8 प्रतिशत हो गया जो 2008 में 38.4 प्रतिशत था । (सारणी 1.11 और चार्ट - 2)
- कुल बैंक ऋण में व्यक्तिगत ऋणों के हिस्से में पिछले वर्ष के 20.1 प्रतिशत से 2009 में 19.4 प्रतिशत तक गिरावट पाई गई है।
- व्यापार के ऋण का हिस्सा वर्ष 2008 के 8.8 प्रतिशत की तुलना में 2009 में बढ़कर 9.7 प्रतिशत हो गया है।

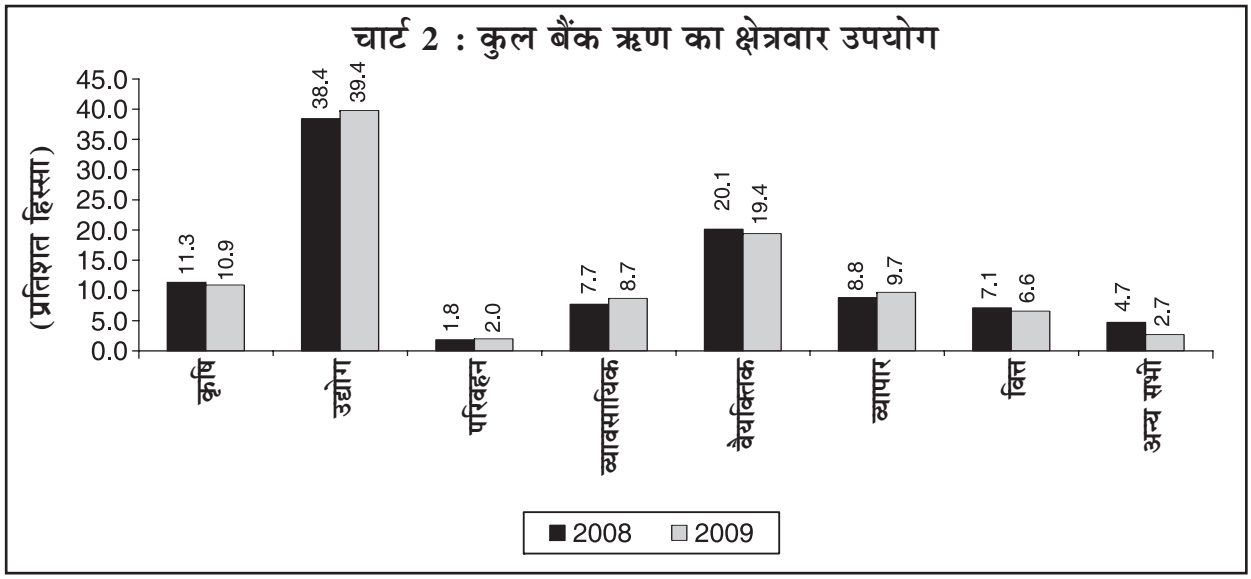

5. क्षेत्रवार (व्यवसाय के अनुसार) ऋण लिया जाना

- कृषि के बैंक ऋण का विकास दर पिछले वर्ष के 19.1 प्रतिशत की तुलना में 2009 में 12.9 प्रतिशत तक घट गया। (सारणी 1.9)
- उद्योग ऋण की वृध्दि में थोडीसी गिरावट होकर 2008 की 25.2 प्रतिशत की तुलना में यह वृध्दि 2009 में 22.2 प्रतिशत की रही।
- व्यक्तिगत ऋण में वर्ष 2008 के 12.0 प्रतिशत की वृध्दि की तुलना में वर्ष 2009 में 14.0 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज हुई है। आवास ऋण जो व्यक्तिगत ऋण का एक भाग है, पिछले वर्ष के 8.5 प्रतिशत की तुलना में इस साल 14.6 प्रतिशत तक बढ़ गया।

6. वृध्दिशील बैंक ऋण (व्यवसाय के अनुसार)

- वृध्दिशील ऋण में, उद्योग क्षेत्र का हिस्सा वर्ष 2008 में 39.7 प्रतिशत था। वही प्रवृत्ति जारी रखते हुए वर्ष 2009 में भी उद्योग क्षेत्र ने 47.8 प्रतिशत तक मुख्य हिस्सा बरकरार रखा है।
- कृषि क्षेत्र ने वृध्दिशील ऋण 2009 में 8.2 प्रतिशत ग्रहण किया जो वर्ष 2008 में 9.4 प्रतिशत था।
- व्यक्तिगत ऋण का हिस्सा वृध्दिशील ऋण में 15.8 प्रतिशत रहा जिसमें आवास ऋण 8.4 प्रतिशत था जो तुलना में पिछले वर्ष में क्रमश: 11.0 प्रतिशत और 4.2 प्रतिशत दर्ज था।

- वर्ष 2009 के वृध्दिशील ऋण में व्यावसायिकों को दिये गये ऋण का हिस्सा वर्ष 2008 के 14.0 प्रतिशत से 14.2 प्रतिशत तक बढ़ा।

7. बैंक ऋण का आकार के अनुसार वितरण

- कुल खातों की संख्या में, लघु उधार खातों (जिनकी ऋण सीमा 2 लाख तक है) की संख्या ने 2008 के 88.4 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 87.0 प्रतिशत का योगदान दिया है जबकि लघु उधार खातों का बकाया ऋण में हिस्सा 2008 के 13.7 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 12.3 प्रतिशत है। (सारणी सं. 1.12)
- 25 करोड रुपए से अधिक की ऋण सीमा वाले ऋण के हिस्से में पिछले वर्ष के 35.6 प्रतिशत की तुलना में 2009 में 41.2 प्रतिशत की वृध्दि हुई।

8. बैंक ऋण पर ब्याज दर

- ब्याज दर सीमा (जिन खातों की ऋण सीमा रुपए 2 लाख से अधिक है। के अनुसार बकाया ऋण का वितरण यह व्यक्त करता है कि 10-12 प्रतिशत की सीमा में बकाया राशि का उच्चतम समानुपात 30.7 प्रतिशत था। (सारणी सं 1.13)
- 2 लाख रुपए से ऊपर की ऋण सीमा के सभी ऋणों और अग्रिमों का भारित औसत ब्याज दर (वेटेड एवरेज इंटरेस्ट रेट) मार्च 2009 के अंत में 11.47 प्रतिशत रहा है जो पिछले वर्ष 12.34 प्रतिशत था।

कुल जमाराशियां

9. कुल जमाराशियों में वृध्दि

- 2009 में कुल जमाराशियां 20.7 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज करते हुए 39,21,980 करोड रुपए हो गई। पिछले वर्ष यह वृध्दि 25.1 प्रतिशत की थी (सारणी सं.1.18)
- 2009 में जमाराशि खातों की संख्या 13.9 प्रतिशत से बढकर 66.23 करोड़ रुपए हो गई जो कि मार्च 2008 में 58.17 करोड़ रुपए थी।

10. जमाराशियों का बैंक समूहवार वितरण

- 2009 में कुल बैंक जमाराशियों में राष्ट्रीयकृत बैंकों का 49.4 प्रतिशत का प्रमुख हिस्सा था। भारतीय स्टेट बैंक और उसके सहयोगी बैंकों का हिस्सा वर्ष 2008 के 23.2 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2009 में 24.1 प्रतिशत हो गया।
- भारतीय स्टेट बैंक और उसके सहयोगी बैंकों ने 25.6 प्रतिशत की उच्चतम वृध्दि दर्ज की है। इसका अनुसरण करते हुए राष्ट्रीयकृत बैंको ने 24.1 प्रतिशत तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको ने 21.6 प्रतिशत की वृध्दि 2009 में दर्ज की है।

11. जमाराशियों के प्रकार

- कुल जमाराशियों में मीयादी जमाराशियों का हिस्सा वर्ष 2008 के 61.3 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2009 में 63.5 प्रतिशत हुआ। चालू तथा बचत (करंट और सेविंग्स) जमाराशियों के हिस्से 2009 में क्रमश: 12.0 प्रतिशत और 24.5 प्रतिशत रहे जो वर्ष 2008 मे 13.9 और 24.8 प्रतिशत थे। (सारणी सं. 1.18)

12. मीयादी जमाराशियों की परिपक्वता का स्वरुप (मैच्यूरिटी पैटर्न)

- कुल जमाराशियों में 5 वर्ष और इससे अधिक की मूल परिपक्वता (ओरिजिनल मैच्यूरिटी) वाली मीयादी जमाराशियों का हिस्सा पिछले वर्ष के 8.3 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2009 में घटकर 7.6 प्रतिशत हो गया है। (सारणी सं. 1.24)
- 2009 की कुल मीयादी जमाराशियों में 1 से 3 वर्ष की परिपक्वता की अवधि की मीयादी जमाराशियों का हिस्सा 52.1 प्रतिशत हो गया जो वर्ष 2008 में 46.8 प्रतिशत था। जबकि तुलनामें 6 महिनों से 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियों का हिस्सा घटकर 13.6 प्रतिशत हो गया जो पिछले वर्ष 14.2 प्रतिशत था। 3 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष से कम की मीयादी जमाराशियों का हिस्सा घटकर 2009 में 12.6 प्रतिशत हो गया जो 2008 में 14.8 प्रतिशत था।

13. मीयादी जमाराशियों पर ब्याज दर

- 2009 में बकाया मीयादी जमाराशियों का भारित औसत (वेटेड एवरेज) ब्याज दर 8.84 प्रतिशत रहा है जो मार्च 2008 के भारित औसत ब्याज दर 8.71 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। (सारणी सं. 1.28)

14. ब्याज दर अंतर - (इंटरेस्ट रेट स्प्रेड)

- मीयादी जमाराशियों के ऊपर बैंक ऋण (बड़े उधार खाते जिनकी ऋण सीमा 2 लाख रु. से अधिक है) का ब्याज दर अंतर (इंटरेस्ट रेट स्प्रेड) 2008 के 3.63 प्रतिशत से कम होकर 2009 में 2.63 प्रतिशत हो गया है।

ऋण जमाराशि (सी-डी) अनुपात
(ऋण की मंजूरी तथा उपयोग के स्थान के अनुसार)

15. जनसंख्या समूह के अनुसार (सी-डी) अनुपात

- अखिल भारतीय ऋण-जमाराशि (सी-डी) अनुपात 2009 में 72.6 प्रतिशत हो गया जो 2008 में 74.4 प्रतिशत था।
- जनसंख्या समूहवार सी-डी अनुपात, ऋण की मंजूरी की जगह के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र में मार्च 2009 में 57.1 प्रतिशत था । अर्ध शहरी और शहरी क्षेत्र का सी-डी अनुपात क्रमश: 50.0 तथा 55.6 प्रतिशत था। ग्रामीण, अर्धशहरी और शहरी क्षेत्रों में ऋण के उपयोग के स्थान के अनुसार सी-डी अनुपात क्रमश: 85.1, 58.7, 60.6 प्रतिशत था। महानगरी केंद्रो में मंजूरी तथा उपयोग के स्थान के अनुसार सी-डी अनुपात वर्ष 2008 के 87.2 और 75.7 प्रतिशत की तुलना में क्रमश: 86.9 और 78.4 प्रतिशत दर्ज रहा। (सारणी सं.1.6)

16. भारत के राज्यों में ऋण का स्थानांतरण

- भारत के राज्यों में ऋण की मंजूरी की जगह तथा ऋण के उपयोग की जगह के अनुसार ऋण के स्थानांतरण का विश्लेषण ऋण और जमाराशि (सी-डी) अनुपात के द्वारा किया गया है। (सारणी सं. 1.7 और चार्ट 3)
- राजस्थान, चंडीगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडू का सी-डी अनुपात, ऋण की मंजूरी के स्थान और उपयोग के स्थान, दोनों दृष्टियों से पूरे भारत के सी-डी अनुपात (72.6 प्रतिशत) से अधिक था।
- इन राज्यों में चंडीगढ़, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडू में ऋण की मंजूरी की अपेक्षा उपयोग का सी-डी अनुपात अधिक था।

****

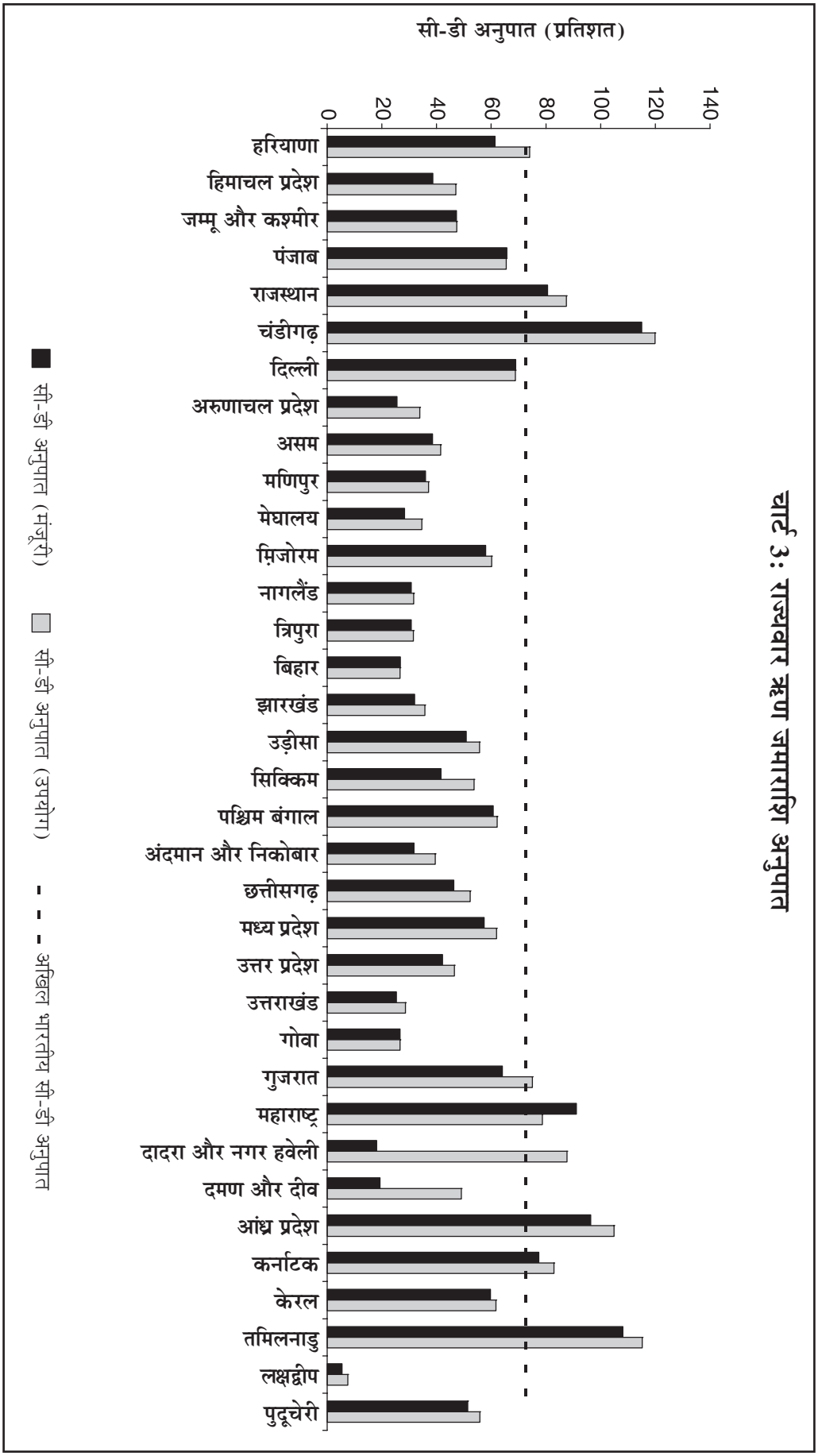

चार्ट 3: राज्यवार ऋण जमाराशि अनुपात